विद्या आश्रम न्यास (आश्रम समिति) बैठक

5 फरवरी 2017, नागपुर

बैठक के विषय

पिछले कुछ समय से हम अपने कार्यों को मोटे तौर पर ज्ञान मीमांसा (भाषा, कला, दर्शन, आर्थिकी, स्वराज) और आन्दोलन (जन संगठन, जन आन्दोलन, लोकविद्या समाज की एकता) के अंतर्गत समझते रहे हैं। वाराणसी, इन्दौर, औरंगाबाद, सिंगरौली, नागपुर, हैदराबाद और बंगलुरू से ज्ञान पंचायत, किसान कारीगर पंचायत, लोकविद्या सत्संग, ज्ञान संवाद जैसी प्रक्रियायें चलाई जाती रही हैं। प्रकाशन हुए हैं और इन्टरनेट पर सक्रियता के प्रयास भी हुए हैं। किसान आन्दोलन के साथ हमारा जुड़ाव सक्रिय बना हुआ है।

वाराणसी में 27–28 फरवरी 2016 को हुई विद्या आश्रम की बैठकों और 17 अक्टूबर 2016 को हुई लोकविद्या जन आन्दोलन की राष्ट्रीय बैठक के ब्यौरों में यह देखा जा सकता है। ये ब्यौरे साथ में संलग्न हैं। इन बैठकों में कई ऐसे निर्णय हुए कि लोकविद्या आन्दोलन आगे बढ़ाने के लिये अलग–अलग स्थानों से और विभिन्न व्यक्तियों द्वारा पहल की आवशकता है। इस बैठक के विषय इन्हीं संदर्भों में तैयार किये गये हैं।

आश्रम समिति

1. आश्रम समिति के लिये नये सदस्य : वर्तमान सदस्यों में से विनिश गुप्ता, विजय कुन्दाजी और कवि महेश ने उन्हें इस सदस्यता से निवृत्त करने के लिये कहा है। इससे सदस्यों की संख्या 18 हो जायेगी। 23 तक सदस्य बनाये जा सकते हैं। सूची संलग्न है। संजीव कीर्तने, टी. नारायण राव, ललित कुमार कौल और जी. सिवरामकृष्णन् के नाम आश्रम समिति की सदस्यता के लिये फरवरी 2016 की आश्रम समिति की बैठक में प्रस्तावित रहे।
2. आश्रम समिति के नये पदाधिकारियों का चयन और कार्यकारिणी समिति का गठन : विद्या आश्रम के अध्यक्ष, समन्वयक और कोषाध्यक्ष तथा कार्यकारिणी का तीन वर्ष का कार्यकाल पूरा हो रहा है। नये पदाधिकारी चुने जाने हैं और नई कार्यकारिणी समिति का गठन करना है।
3. विद्या आश्रम न्यास पत्र में संशोधन : यह साफ किया जाना है कि विद्या आश्रम न्यास समिति और आश्रम समिति एक ही हैं तथा और सुझावों पर विचार करना है। पिछली आश्रम समिति बैठक में इसके लिये एक समिति बनाई गई थी।

विद्या आश्रम का पुनर्संगठन व कार्य

4. वितरित व्यवस्था : इस पर चर्चा होती रही है कि विद्या आश्रम का संगठन एक किस्म की वितरित व्यवस्थाओं के मार्फत होना चाहिये। इस पर प्रस्ताव बनाने के लिये पिछली आश्रम समिति बैठक में एक समिति बनाई गई थी।
5. पहल के स्थान : लोकविद्या आन्दोलन के पहल के स्थानों के रूप में कार्य कर रहे विभिन्न स्थानों की पहचान की जाये और नये स्थान चुने जाये। पिछली आश्रम समिति बैठक में भी यह चर्चा हुई। ये स्थान हैं हैदराबाद, चिराला, बंगलुरू, इन्दौर, सिंगरौली, नागपुर, दिल्ली और वाराणसी।

6. अनुवाद समूह : लोकविद्या आन्दोलन के लिये विभिन्न भाषाओं में आपसी अनुवाद के लिये एक प्रभावी समूह का गठन।
7. इन्टरनेट पर लोकविद्या आन्दोलन के कार्यों के लिये एक समिति बनाई जाये।
8. प्रकाशन : निम्नलिखित विषयों पर प्रकाशन पर चर्चा होती रही है। ये प्रकाशन विभिन्न स्थानों से किये जाने हैं।

   लोकविद्या बाजार, लोकविद्या आर्थिकी, लोकविद्या दर्शन, लोकविद्या स्वराज, लोकविद्या कलादृष्टि, लोकविद्या भाईचारा विद्यालय, ज्ञान पंचायत, समाज के सांगठनिक रूपों पर संवाद – जाति, समुदाय, श्रमिक संगठन, सहकारिता संस्थायें, किसान यूनियन, सामाजिक पंचायत, सांस्कृतिक संगठन आदि।

लोकविद्या जन आन्दोलन (लोजआ)

9. ज्ञान पंचायत, किसान कारीगर पंचायत, लोकविद्या बाजार, लोकविद्या सत्संग, लोकविद्या भाईचारा विद्यालय और ज्ञान संवाद ये लोजआ के प्रमुख कार्यक्रमों के रूप में उभरे हैं। अलग–अलग क्षेत्रों में अलग–अलग मुद्दे महत्वपूर्ण हो सकते हैं तथापि लोकविद्या समाज के परिवारों में वैसी ही आय होनी चाहिये जैसी सरकारी कर्मचारी की होती है, यह एक प्रमुख मुद्दे के रूप में सभी जगह रहेगा। लोकविद्या जन आन्दोलन की 17 अक्टूबर 2016 की राष्ट्रीय बैठक में हुए संगठनात्मक निर्णयों के मद्देनज़र आगे के रास्ते पर बात हो।

वित्त

10. आडिट रिपोर्ट : वित्तीय वर्ष 2015–16 की आडिट रिपोर्ट समिति के सामने रखी जायेगी।
11. अब लगभग 5 साल से हमारी अनुदान से प्राप्त राशि स्थिर है। वित्त संग्रह के और रास्तों पर चर्चा।
12. अन्य : सदस्यों द्वारा प्रस्तावित अन्य विषय।

•